दृष्टि The Vision

6 SEP 2019

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(आधुनिक इतिहास)

8 Test

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–H3

Name: Ravi Gangwar **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAK-19/G002

Center & Date: Mukherjee Nagar, 6/9/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0801337

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) 19वीं शताब्दी में बारंबार पड़ने वाले दुर्भिक्ष के पीछे ईस्ट इंडिया कंपनी की औपनिवेशिक नीतियाँ ज़िम्मेदार थीं जिसने समय-समय पर लाखों भारतीयों को मौत की नींद सुलाने में अहम भूमिका निभाई। चर्चा कीजिये। 20

The colonial policies of the East India Company were responsible for the frequent famine in the 19th century which from time to time played a significant role in killing millions of Indians. Discuss. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन काल में भारत में अकालों की बारम्बारता में तीव्र वृद्धि हुयी। वस्तुतः पूर्वमध्यकाल में भी भारत में अकाल पड़ते थे किन्तु तब राज्य द्वारा उनसे निपटने के इंतजाम किये जाते थे।

ब्रिटिश काल में भारत में अकाल पड़ने के पीछे भौगोलिक कारक के बजाय शासन की आर्थिक नीतियाँ जिम्मेदार थीं। वस्तुतः कृषि के क्षेत्र में अत्यधिक भू राजस्व वसूली ने कृषकों की क्रय क्षमता को कमजोर किया तो साथ ही कृषि के व्यवसायी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

-करण ने भारतीय कृषि में खाद्यान्नों की कमी का संकट भी उत्पन्न किया फलस्वरूप अकालों की बारम्बारता में वृद्धि हुयी।

इसी प्रकार वि औद्योगीकरण तथा हस्तशिल्प के पतन ने ग्रामीण आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को उपनिवेश मूलक अर्थव्यवस्था बना दिया जिसके चलते गांवों में लोगों का आर्थिक स्तर निम्न हुआ और उनकी अकालों के प्रति सुभेद्यता में वृद्धि हुयी।

अकालों की बारंबारता में वृद्धि के बावजूद ब्रिटिश शासन द्वारा उनसे निपटने का कोई प्रयास नहीं किया जाता था। फलतः जन-धन की व्यापक हानि होती थी। हालांकि अकाल

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संहिता का निर्माण या फिर भूराजस्व वसूली में नरमी जैसे कुछ उपाय किये गये किन्तु ये नाकाफी साबित हुए। यही वजह थी कि 1770 के अकाल में लाखों लोग मौत के शिकार हुए। ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों का एकमात्र उद्देश्य भारतीय धन सम्पदा को ब्रिटेन ले जाना था। जिसने भारत में दरिद्रता को बढ़ावा दिया और इस दरिद्रता ने गरीबी, भुखमरी, अकाल को

इस प्रकार स्पष्ट है कि ब्रिटिश भारतीय अकालों की पूर्णतया जिम्मेदार ब्रिटिश औपनिवेशिक आर्थिक नीतियाँ थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "स्थायी बंदोबस्त के संदर्भ में कार्नवालिस के मस्तिष्क में अंग्रेज़ भूमिपतियों की संकल्पना थी जिसे भारतीय परिस्थितियों में कार्नवालिस ने क्रियान्वित किया।" कथन के संदर्भ में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली के प्रभावों की चर्चा कीजिये। 15

"With the concept of English landlords in mind, Cornwallis implemented Permanent Settlement in India." In light of the statement, discuss the effects of the Permanent Settlement system. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बंगाल पर नियंत्रण के पश्चात अंग्रेजों द्वारा भू-राजस्व वसूली हेतु एक नवीन व्यवस्था का निर्माण किया गया, जिसमें भू-राजस्व की राशि स्थायी थी तथा इसको वसूलने का अधिकार जमींदारों को दिया गया। इस नवीन व्यवस्था को ही स्थायी बंदोबस्त कहा जाता है।

स्थायी बंदोबस्त प्रणाली को लागू कार्नवालिस ने किया था। वस्तुतः वह इंग्लैण्ड में भूमिपतियों के परिवार से था अतः उसने भारत में भी जमींदारों के समर्थन हासिल करने की योजना बनायी। इसी क्रम में स्थायी ~~बंदोबस्त~~ बंदोबस्त को लागू किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रणाली के निम्नलिखित प्रभाव देखे गये है:

i) इसके तहत कंपनी की आय निश्चित हो गयी। अब अकाल, सूखा आदि परिस्थितियों में भी उसकी आय नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं होती थी।

ii) इसी प्रकार जमींदार के रूप में एक अंग्रेज समर्थक वर्ग का निर्माण हुआ।

iii) कंपनी द्वारा भू राजस्व वसूलने के क्रम में प्रशासनिक कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ा।

iv) स्थायी बंदोबस्त मे लगान की उच्च राशि के चलते कृषक शोषण को बढ़ावा मिला।

v) अनुपस्थित जमींदारी को बढ़ावा मिला

vi) इसी प्रकार कंपनी की आय स्थिर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हो गयी जो कि इसकी बढ़ती आवश्यकताओं के मद्देनजर पूरी नहीं पड़ रही थी।

vii) सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारों की बेदखली बढ़ने से इन्होंने विद्रोह भी किये जैसे 1857 में शामिल विद्रोही ज्यादातर जमींदार थे।

viii) कंपनी द्वारा कृषि निवेश में बढ़ोत्तरी तथा उत्पादन में वृद्धि का उद्देश्य भी पूरा नहीं हो पाया।

ix) इसी प्रकार सार्वजनिक भूमि पर जमींदारों के नियंत्रण ने सामाजिक तनाव को बढ़ावा दिया फलतः विभिन्न कृषक विद्रोह भी सामने आये।

इस प्रकार स्पष्ट है कि स्थायी बंदोबस्त प्रणाली ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों की पूर्ति करने का एक साधन थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "विभिन्न धर्मों की समीक्षा और पुनर्मूल्यांकन राजा राममोहन राय के द्वारा प्रस्तुत चिंतन के प्रमुख विषय थे।" स्पष्ट कीजिये। 15

"The review and evaluation of various religions were the main themes of contemplation presented by Raja Rammohan Roy." Explain. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सामाजिक - धार्मिक सुधार आन्दोलन के दौरान राजा राम मोहन राय को भारतीय नवजागरण का अग्रदूत तथा पिता माना जाता है। इन्होंने ब्रह्म समाज की स्थापना (1828) भी की।

वस्तुतः इनके द्वारा किया गया चिंतन ही ब्रह्म समाज के सिद्धान्तों में परिलक्षित होता है। जिसमें एकेश्वरवाद पर बल, मूर्तिपूजा का विरोध, पुरोहितों का बहिष्कार, सर्वधर्म समभाव, सतीप्रथा का विरोध आदि प्रमुख है।

राजा राममोहन द्वारा अपने चिंतन के दौरान विभिन्न धर्मों का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अध्ययन किया गया तथा इनके अच्छी बातों को ग्रहण कर उन्होंने ब्रह्म समाज की स्थापना की। जैसे कि इस्लाम धर्म का एकेश्वरवाद उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित करता था। इसी प्रकार हिन्दु धर्म में व्याप्त विभिन्न कुरीतियाँ जैसे कि सती प्रथा, बाल विवाह आदि का विरोध करते थे।

इसी क्रम में उन्होंने भारतीयों को पश्चिमीकरण की जगह आधुनिकीकरण की तरफ बढ़ने को कहा। वस्तुतः उनका मानना था कि पश्चिमी की दुनिया के अच्छे मूल्यों को भारतीय संदर्भ में विश्लेषित तथा पुनर्मूल्यांकित करके ग्रहण करने की

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जरूरत है, उनका मूल्यांकरण करने की कोई आवश्यकता नहीं है इसलिए ही इन्हें पश्चिम तथा पूर्व की संस्कृति का विश्लेषक भी कहा जाता है।

राजा राममोहन राय ने विभिन्न धर्मों का विश्लेषण कर उनकी अच्छी बातों द्वारा हिन्दू धर्म में सुधार की बात की वस्तुतः वह हिन्दू धर्म को समाप्त करने की नहीं अपितु उसकी कुरीतियों को समाप्त करने की बात कर रहे थे। इसी क्रम में सतीप्रथा निरोधक कानून को पास कराने में भी इनका योगदान महत्वपूर्ण है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) स्वातंत्र्योत्तर भारत में निम्न जातियों के संरक्षण की दिशा में क्या आरंभिक प्रयास किये गए थे? ये प्रयास तत्कालीन भारत में जातीय अल्पसंख्यकों की स्थिति में सुधार लाने में कितने सफल रहे? विश्लेषण करें। 15

What initial efforts were made towards the protection of the lower castes in post-independent India? How successful were these efforts in improving the status of ethnic minorities in contemporary India? Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) औपनिवेशिक भारत में कृषि के व्यावसायीकरण की पृष्ठभूमि में निहित कारकों को स्पष्ट कीजिये।

Explain the factors responsible for the commercialization of agriculture in colonial India.

अंग्रेजों द्वारा भारत पर नियंत्रण के पश्चात विभिन्न औपनिवेशिक नीतियों के माध्यम से ब्रिटेन के आर्थिक हितों का पोषण करना प्रारम्भ कर दिया। जिसका एक परिणाम कृषि का व्यवसायीकरण भी था।

कृषि के व्यवसायीकरण हेतु निम्न कारक जिम्मेदार थे-

i) अत्यधिक लगान की मात्रा को चुकाने हेतु किसानों द्वारा नकदी फसलों की खेती पर बल दिया।

ii) अंग्रेजों द्वारा ब्रिटिश उद्योगों हेतु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कच्चे माल की आपूर्ति भारत से की जाती थी। फलस्वरूप कृषि का व्यवसायीकरण हुआ।

(iii) अत्यधिक ऋण बोझ तथा कृषिपर बढ़ते दबाव के चलते खाद्यान्न उत्पादन की बजाय नकदी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा मिला।

(iv) इसी प्रकार अंग्रेजों द्वारा भी नील, चाय, जूट आदि में पूँजी निवेश की गयी जिसके चलते कृषि के व्यवसायीकरण को प्रोत्साहन मिला।

इस प्रकार स्पष्ट है कि कृषि का व्यवसायीकरण केवल ब्रिटिश आर्थिक हितों की पूर्ति कर रहा था और इसके दुष्परिणाम भारतीय समाज पर पड़ रहे थे जिनमें अकालों की बारम्बारता तथा खाद्यान्न की कमी सम्मिलित थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "गांधीजी के राजनीतिक विचार भारतीय दर्शन के साथ-साथ पाश्चात्य चिंतकों के विचारों से भी प्रभावित थे।" चर्चा कीजिये।

"Gandhiji's political views were influenced by Indian philosophy as well as ideas from Western thinkers." Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रमुख नेता तथा महान विचारक गाँधी जी का दर्शन वस्तुतः विभिन्न धार्मिक तथा वैचारिक दर्शनों से प्रभावित था।

गाँधी जी के दर्शन पर सबसे प्रमुख प्रभाव रामायण का था। जिसे वह अपनी दूसरी माँ का दर्जा देते थे। वहीं अहिंसा सम्बन्धी सिद्धान्त तथा ब्रह्मचर्य सम्बन्धी सिद्धान्त को इन्होंने जैनधर्म से लिया था।

इसी प्रकार अस्पृश्यता तथा जातिगत भेदभाव के विरोध को उन्होंने बौद्धधर्म से सीखा था।

पाश्चात्य चिंतकों में उनके

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विचारों को सबसे ज्यादा प्रभावित हेमरी डेविड थूरो की पुस्तक "Unto the last" ने किया था। इसी से प्रभावित होकर उन्होंने सर्वोदय का सिद्धान्त दिया था। जिसमें समाज के अन्तिम छोर पर खड़े व्यक्ति का भी उत्थान समाज के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि गाँधी जी ने अपने जीवन में विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक सिद्धान्तों को प्रतिपादित किया जिसमें अराजकता का सिद्धान्त, ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त आदि प्रमुख हैं। इन सबकी प्रेरणा उन्हें विभिन्न भारतीय तथा पाश्चात्य विचारकों से मिली थी साथ ही कुछ उनके अपने मूल विचार भी थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उन्नीसवीं सदी के ब्रिटिश भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद के विकास को रेखांकित कीजिये।

Highlight the development of economic nationalism in nineteenth century British India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों द्वारा भारत में अपने औपनिवेशिक शासन को न्यायोचित सिद्ध करने हेतु भारत के आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक विकास का तर्क दिया जाता था।

इसी क्रम में इनके आर्थिक विकास के असली स्वरूप को पहचानने के साथ ही आर्थिक राष्ट्रवाद का विकास हुआ। इस सन्दर्भ में दादा भाई नौरोजी, महादेव रानाडे, रामेशचन्द्र दत्त आदि प्रमुख हैं।

इन्होंने धन के बहिर्गमन, विऔद्योगीकरण, कृषि के व्यवसायीकरण जैसी कई अन्य शब्दावलियों के माध्यम से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीयों के अन्दर जागरूकता का प्रसार किया तथा यह बताया कि ब्रिटिश नीतियों का एकमात्र उद्देश्य भारतीय धन सम्पदा को बाहर ले जाना है तथा अंग्रेजों का भारत के विकास का दावा झूठा है।

इसके विरोध हेतु उन्होंने याचिका, प्रतिवेदन आदि के माध्यम से अनब्रिटिश रूल के खिलाफ आवाज उठायी और कांग्रेस की स्थापना के बाद उसके विभिन्न सम्मेलनों में की इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारतीय राष्ट्रवाद का सारभिक स्वरूप आर्थिक तत्वों को अभिगृहीत किये हुए था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) "पटेल एवं नेहरू में वैचारिक एवं स्वभावगत मतभेद पहले से ही मौजूद थे किंतु स्वतंत्रता के पश्चात् इनके बीच नीतिगत मतभेद भी उत्पन्न हुए।" टिप्पणी कीजिये।

"The ideological and the temperamental differences were already present between Patel and Nehru, but after the independence, political differences also emerged between them." Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रीय आन्दोलन के दो प्रमुख गाँधीवादी नेता पटेल तथा नेहरू के बीच मतभेदों की स्थिति तो थी किन्तु राष्ट्रीय आन्दोलन के क्रम में यह कभी बाहर नहीं आयी।

वस्तुतः नेहरू समाजवादी दर्शन में विश्वास रखते थे तथा धर्म के मामलें में तटस्थ थे। जबकि पटेल का समाजवाद की ओर बिल्कुल झुकाव नहीं था बल्कि वह गाँधीवादी थे तथा धार्मिक तौर पर उनका झुकाव हिन्दु धर्म की ओर था।

इसी प्रकार स्वभाव की दृष्टि से नेहरू उदार प्रवृत्ति के थे जबकि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पटेल उग्र स्वभाव के थे। स्वतंत्रता के पश्चात विभिन्न मुद्दों जैसे - रियासतों के एकीकरण (मुख्यतया कश्मीर व हैदराबाद के सन्दर्भ में) के क्रम में दोनों में मतभेद उत्पन्न हो गये। नेहरू किसी भी प्रकार के बल प्रयोग के खिलाफ थे। जबकि पटेल किसी भी कीमत पर एकीकरण चाहते थे।

इसी प्रकार नेहरू को अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों की बहुत चिंता रहती थी जबकि पटेल केवल राष्ट्रीय हित में विश्वास रखते थे।

इस प्रकार यह सही है कि दोनों में मतभेद थे किन्तु दोनों का उद्देश्य तथा मन भारतीय राष्ट्रवाद था बस उसको सन्तुष्ठ करने का तरीका थोड़ा भिन्न था।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) स्वतंत्र भारत में भूमि सुधारों को लागू करने के प्रमुख उद्देश्यों की चर्चा करते हुए इनकी असफलता के कारणों पर विचार करें।

Discuss the main objectives behind the implementation of land reforms in independent India. Consider the reasons for its failure.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्वतंत्रता के पश्चात कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों को लागू करते हुए भारत सरकार द्वारा भूमि सुधार लागू किये गये। इनका उद्देश्य भू-सुधारों के माध्यम से कृषि क्षेत्र की उत्पादकता तथा स्थिति में सुधार लाना था।

भूमि सुधारों के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

i) भूमि हीनों तथा मजदूरों को भूमि प्रदान कर, भू क्षेत्र में असमान वितरण को समाप्त करना।

ii) विभिन्न विचौलियों को समाप्त कर कृषक शोषण को समाप्त करना।

iii) भूमि के अतिकेंद्रीकरण को समाप्त

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करना।
iv) कृषि क्षेत्र के विकास तथा निवेश को बढ़ावा देना।

असफलता के कारण:- i) भूमि सुधारों को लागू करने के क्रम में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा उदासीनता दिखायी गयी।
ii) बिचौलियों की पूर्णतः समाप्ति नहीं हो पायी।
iii) भूमि की ऊपरी सीमा निर्धारित करते समय परिवार की जगह व्यक्ति को इकाई माना गया।
iv) इसी प्रकार जागरूकता के अभाव तथा प्रशासकीय अकुशलता के चलते अधिग्रहीत भूमि का भूमिहीनों में वितरण ही नहीं हो पाया।
v) ~~इसी प्रकार~~ भूमि (संपत्ति) के अधिकार को मूल अधिकार का दर्जा देना भी प्रतिगामी सिद्ध हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) भारत छोड़ो आंदोलन की प्रकृति अपने पूर्ववर्ती आंदोलनों से पूर्णतः भिन्न व अद्वितीय थी। विशदीकरण कीजिये। 20

The nature of Quit India movement was completely different from its predecessor movements. Elucidate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के परिपक्व चरण में हुए भारत छोड़ो आन्दोलन (1942) ने ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य की जड़ों को हिलाकर रख दिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान के भारत पर आक्रमण के बतरे तथा क्रिप्स मिशन (1942) की असफलता से भारतीय जनमानस असंतोष से भरा हुआ था। फलस्वरूप अगस्त, 1942 में गाँधी जी ने भारत छोड़ो आन्दोलन का आह्वान किया।

वस्तुतः यह आन्दोलन अपने पूर्ववर्ती आन्दोलनों से इस अर्थ में भिन्न था क्योंकि यहाँ पर नेतृत्व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

का कार्य जनता ने खुद किया इसलिए इसे स्वतः स्फूर्त आन्दोलन भी कहा जाता है। दूसरी तरफ आन्दोलन के दौरान गांधीवादी मूल्यों से विचलन भी दिखायी दिया, जैसे कि हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी आदि।

गांधी जी ने भी इस हिंसा की निन्दा न करते हुए इसे ब्रिटिश कार्रवाई का प्रतिउत्तर करार दिया। इसी प्रकार इस आन्दोलन की प्रमुख बात समानान्तर सरकारों की स्थापना थी। जिसमें बलिया में चित्तू पाण्डेय, सतारा में नाना पाटिल तथा तामलुक की जातीय सरकार प्रमुख थी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसी क्रम में नेतृत्व के क्रम में ऊषा मेहता, जे.पी. नारायण सुचेता कृपलानी जैसे द्वितीय श्रेणी के नेताओं का उभार भी हुआ। जिन्होंने रेडियो संचालन तथा भूमिगत गतिविधियों के माध्यम से आन्दोलन को चलाया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत छोड़ो आन्दोलन अपने पूर्ववर्ती आन्दोलनों से नेतृत्व के स्तर पर, प्रक्रिया के स्तर पर, सहभागिता के स्तर पर तथा उद्देश्य के स्तर पर पूर्णतया: विकसित रूप लिये हुआ था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत से पृथक् एक मुस्लिम राज्य 'पाकिस्तान' के निर्माण की मांग यूँ ही एकाएक नहीं उठी, अपितु यह तो 1930 के दशक में परिवर्तित होती राजनीतिक गतिविधियों का अनिवार्य प्रतिफल था। टिप्पणी करें। 15

The demand for the creation of a Muslim state 'Pakistan' separate from India did not arise suddenly, but it was an outcome of political activities that took place in 1930s. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औप-
निवेशिक शासन की मजबूती हेतु
उठाये गये विभिन्न कदमों में से एक
साम्प्रदायिकता का प्रसार तथा फूट डालो
और राज करो की नीति भी थी।
वस्तुतः पाकिस्तान का
निर्माण जिस द्विराष्ट्र सिद्धान्त की
तर्ज पर हुआ था। उसका विकास
1909 के मार्ले-मिन्टो सुधारों के द्वारा
मुस्लिम पृथक निर्वाचन से शुरू माना
जाता है।
इसी क्रम में 1916 का लखनऊ
समझौता, खिलाफत आन्दोलन द्वारा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

धर्म का राजनीति में प्रवेश से भी परिस्थितियाँ सांप्रदायिक हुयी। जब महात्मा गाँधी ने 1922 में असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया तो मुस्लिमों को अपने साथ विश्वासघात की अनुभूति हुयी। जिससे सांप्रदायिक हिंसा में बढ़ोत्तरी हुयी और इसी क्रम में स्वराज पार्टी का धर्म के आधार पर विभाजन तथा मुस्लिम लीग का नेतृत्व जिन्ना द्वारा सम्हाला जाना भी, राजनीति में हिन्दु-मुस्लिम विभेद को बढ़ावा दिया।

इसी प्रकार साइमन कमीशन के विरुद्ध पेश नेहरू रिपोर्ट (1928) में प्रथक निर्वाचन को अस्वीकार करना

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भी मुस्लिम लीग को अपने पृथक् राज्य के निर्माण हेतु प्रोत्साहन प्रदान किया। इसी क्रम में कवि इकबाल द्वारा मुस्लिम बहुल प्रान्तों के पुनर्गठन द्वारा भी एक अलग राज्य की परिकल्पना को प्रोत्साहन दिया गया।

अन्ततः जब 1937 के चुनावों में मुस्लिम लीग को अपेक्षित सफलता नहीं मिली तो उन्होंने सांप्रदायिक आधार पर राजनीति प्रारम्भ कर दी और द्विराष्ट्र सिद्धान्त का प्रतिपादन किया और 1940 के लाहौर अधिवेशन में एक पृथक् व पूर्ण संप्रभु पाकिस्तान के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "1975 का राष्ट्रीय आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के समक्ष प्रथम व्यापक चुनौती के रूप में सामने आया जिसने प्रधानमंत्री के हाथों में असीम राजकीय शक्ति को संकेंद्रित कर दिया।" समालोचनात्मक मूल्यांकन करें। 15

"The National Emergency of 1975 presented the first comprehensive challenge to the Indian democracy, which centred on the unlimited political powers in the hands of the Prime Minister." Critically evaluate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के सम्मुख अपनी शैशवावस्था के दौरान (1975) ही शायद अपने संपूर्ण जीवन काल की सबसे प्रमुख व कठिन चुनौती आ खड़ी हुयी और वह थी "राष्ट्रीय आपातकाल"

यूं तो भारत-पाकिस्तान के युद्ध के दौरान या चीन से संघर्ष के दौरान भी भारत में आपातकाल लगा था किन्तु 1975 का आपातकाल विशिष्ट था।

वस्तुतः इस आपातकाल का आधार आंतरिक अशांति था। जिससे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

तत्कालीन राजनीतिक विरोध को दबाने का प्रयास किया गया था। इसके तहत प्रधानमंत्री द्वारा प्रेस पर व्यापक सेंसरशिप लागू की गयी तथा देश के प्रमुख विपक्षी नेताओं को जेल में बन्द कर दिया गया।

इसी क्रम में लोकतंत्र की संस्थाओं पर निगरानी तथा नियन्त्रण का प्रयास किया गया। संसद का कार्यकाल बढ़ा दिया गया और चुनावों को स्थगित कर दिया गया। सरकारी योजनाओं जैसे - नसबन्दी, भूसुधार आदि का क्रियान्वयन जबरदस्ती तथा अलोकतांत्रिक तरीके से किया गया।

इस प्रकार आपातकाल ने तत्कालीन समय में भारतीय प्रधानमंत्री

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के पास अत्यधिक शक्ति का केंद्रीकरण किया। हालांकि इसके कुछ सकारात्मक पक्षों में परिवार नियोजन और एकीकृत बाल विकास योजना जैसे मुद्दों को शामिल किया जा सकता है किन्तु इनका क्रियान्वयन बेहद ही अलोकतांत्रिक रहा था।

ज्ञातव्य यही रहा की जब आपातकाल की समाप्ति के बाद आम चुनाव हुए तो कांग्रेस को बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा (स्वयं इंदिरा गांधी की अपनी सीट हार गयी) और भारत में प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार (जनता दल के नेतृत्व में) का गठन हुआ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) द्वैधशासन ने किस प्रकार बंगाल की जनता को भयंकर दरिद्रता का सामना करने के लिये विवश किया? विश्लेषण कीजिये। 15

How did the Diarchy force the people of Bengal to face extreme poverty? Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्लासी के युद्ध तथा बक्सर के युद्ध में विजय के पश्चात अंग्रेजों द्वारा बंगाल पर लगभग पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया गया था अब बारी बंगाल के संसाधनों के दोहन की थी।

इसी क्रम में प्रशासनिक कठिनाईयों से बचने हेतु तथा भारतीय जनता एवं यूरोपीय कंपनियों के प्रतिरोध से बचने हेतु कंपनी ने बंगाल में अप्रत्यक्ष नियंत्रण के तहत द्वैध शासन की व्यवस्था लागू की। जिसमें उत्तरदायित्व नवाब के पास था किन्तु शक्ति तथा धन कंपनी के पास।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वैधशासन के परिणामों को निम्न बिंदुओं के तहत समझा जा सकता है:-

i) द्वैध शासन के परिणामस्वरूप कंपनी ने अत्यधिक भू राजस्व की वसूली पर बल दिया। जिसके चलते किसानों के शोषण को बढ़ावा मिला।

ii) अत्यधिक लगान देने के बाद किसानों के पास खाद्यान्न की कमी पड़ी। जिसके चलते अकाल की स्थिति पैदा हुयी (1770 का अकाल)।

iii) इसी प्रकार राज्य में शिल्पियों को जबरन कम कीमत में उत्पादन पर मजबूर किया जाने लगा। फलतः उन्होंने अपने अंगूठे काट लिये (दादनी प्रथा)।

iv) इसी प्रकार राज्य में नवाब की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रशासनिक अक्षमता के चलते चोर, डाकू, अपराधियों का बोलबाला बढ़ा और कंपनी के गुमाश्तों द्वारा न्याय के नाम पर आम लोगों का शोषण किया जाने लगा।

v) कृषि के व्यवसायीकरण को बढ़ावा दिया तथा हस्तशिल्प के विकास को अवरुद्ध किया। फलत। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विनाश की स्थिति उत्पन्न हो गयी।

उपर्युक्त नकारात्मक परिणामों के चलते बंगाल जो कभी भारत की आर्थिक समृद्धि का केन्द्र हुआ करता था, आज भी औपनिवेशिक कालीन दुरव्यवस्था तथा शोषण से प्रभावित जान पड़ता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "क्रांतिकारी आंदोलन को असहयोग आंदोलन के आकस्मिक समापन ने उत्तेजना प्रदान की तो वहीं बोल्शेविक क्रांति से जनित विचारों ने प्रेरणा प्रदान करने का कार्य किया।" स्पष्टीकरण कीजिये। 20

"While the sudden end of Non-cooperation movement aroused the revolutionary actions, the ideas generated by Bolshevik revolution inspired it." Elucidate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में विभिन्न प्रकार के विचारों, कार्यपद्धतियों तथा दलों का समावेश था। जिसमें उग्रवादी विचारों से युक्त तथा हिंसक साधनों द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति की इच्छा रखने वाले क्रांतिकारी दलों का भी महत्वपूर्ण योगदान था।

वस्तुतः गाँधी जी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन की समाप्ति के पश्चात जब राजनीति तथा आन्दोलन के क्षेत्र में शून्यता की स्थिति उत्पन्न हुयी तो कुछ युवा विचारकों का गांधीवादी राजनीति से मोहभंग हुआ। फलतः उन्होंने क्रांतिकारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

गतिविधियों के संचालन पर बल दिया।

इसी प्रकार जब 1917 में रूस में बोल्शेविक क्रान्ति की सफलता से वहाँ समाजवादी सरकार की स्थापना हुयी। और रूस ने जब उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद के विरुद्ध अपना समर्थन दिया तो भारत में भी बोल्शेविक क्रान्ति की तरह हिंसक कार्रवाई द्वारा समाजवाद की स्थापना का प्रयास करने को प्रोत्साहन मिला।

फलस्वरूप भारत में कई क्रांतिकारी दलों का गठन हुआ। जिनमें HSRA, HRA, IRA प्रमुख हैं। वस्तुतः इनका मूल उद्देश्य केवल ब्रिटिश

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)
दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सरकार से आजादी प्राप्त करना नहीं था बल्कि यह हर प्रकार के शोषण तथा भेदभाव की समाप्ति चाहते थे।

हालांकि इन क्रांतिकारी दलों की स्थापना की शुरुआत बहुत पहले 19 वीं शताब्दी के अन्त से शुरु हो चुकी थी। जिसमें 1897 के चापेकर बन्धु प्रमुख हैं। किन्तु उस समय इन गतिविधियों का इतना संगठित स्वरूप सामने नहीं आया था।

इस प्रकार क्रांतिकारी आन्दोलन के उदय तथा प्रसार में काफी हद तक विदेशी ~~क्रान्तियों~~ की सफलता की प्रेरणा तथा रूस-जापान युद्ध में रूस की हार आदि को माना जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'कॉन्ग्रेस समाजवादी पार्टी' का जन्म, राष्ट्रीय आंदोलन के भीतर एक ऐसी विचारधारा की खोज का परिणाम था जिसके माध्यम से राष्ट्रीय आंदोलन को एक बौद्धिक तथा राजनीतिक मार्गदर्शन की प्राप्ति हो सके। टिप्पणी कीजिये। 15

The birth of 'Congress Socialist Party (CSP)' was a result of the search of an ideology within the national movement, through which the national movement could achieve an intellectual and political guidance. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना 1934 में आचार्य नरेन्द्र देव, मीनू मसानी, जयप्रकाश नारायण आदि नेताओं द्वारा कांग्रेस के अन्दर समाजवादी मूल्यों के प्रसार हेतु की गयी थी।

वस्तुतः कान्ग्रेस द्वारा अपनी स्थापना के पश्चात से लेकर गाँधीवादी युग में प्रवेश तक आम जनता के मुद्दों को तथा किसान व मजदूरों के हितों को ज्यादा तरजीह से नहीं उठाया गया था।

हालांकि गाँधी जी के आने के पश्चात इस स्थिति में परिवर्तन हुआ और उन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से आम जन तथा किसान एवं मजदूर आदि को जोड़ने में सफलता अर्जित की। किन्तु फिर भी कांग्रेस पार्टी मजदूर व श्रमिको से जुडे मुद्दे प्रमुखता से नहीं उठा पा रही थी।

कांग्रेस के अन्दर इसी कमी को पूरा करने हेतु तथा कांग्रेस पर पूँजीवादी पार्टी के आरोप को गलत साबित करने हेतु समाजवादी पार्टी की स्थापना की गयी। जिसका मुख्य उद्देश्य कांग्रेस के अन्दर रहकर लोकतांत्रिक तरीके से कांग्रेस की विचारधारा तथा कार्यों में समाजवादी मूल्यों को शामिल करना था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वस्तुतः समाजवादी पार्टी की स्थापना से अब राष्ट्रीय आन्दोलन पूर्ण रूप से जनोन्मुख हो गया। इसके द्वारा मजदूर व किसानों के हितों की बात प्रमुखता से उठायी जाने लगी तथा विभिन्न किसान संगठन जैसे- अखिल किसान सभा, एका आन्दोलन आदि अस्तित्व में आये।

इस प्रकार स्पष्ट है कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना राष्ट्रीय आन्दोलन को बहुआयामी स्वरूप से युक्त करती है तथा इसके माध्यम से आम लोगों के मुद्दों को राष्ट्रीय आन्दोलन में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने में आसानी हुई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation